This question paper contains 8 printed pages]

3642-P

B.A. (Third Year) (Private) EXAMINATION, 2017

SANSKRIT

Paper II

(इतिहास, दर्शन, अनुवाद, व्याकरण एवं निबंध)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : 20]

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'ब' [Marks : 50]

*प्रत्येक इकाई से **एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो । **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'स' [Marks : 30]

कोई **दो** *प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* **300** *शब्दों से अधिक न हो ।* **सभी** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'अ'

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

   (*i*) आदिकाव्य किसे कहा गया है ? उसके रचनाकार कौन हैं ?

   (*ii*) विश्व साहित्य का सबसे बड़ा महाकाव्य कौनसा है ? उसके रचयिता कौन हैं ?

   (*iii*) बौद्धदर्शन के अनुसार अष्टांगमार्ग कौन-कौनसे हैं ?

   (*iv*) जैनदर्शन के पञ्चमहाव्रतों का नामोल्लेख कीजिए ।

   (*v*) 'मैंने दो पुस्तकें पढ़ीं' का संस्कृत में अनुवाद कीजिए ।

(*vi*) 'वह मंच पर बैठेगा' का संस्कृत में अनुवाद कीजिए ।

(*vii*) 'गतवान्' में प्रकृति-प्रत्यय बताइए ।

(*viii*) 'टाप्' प्रत्ययान्त शब्द लिखाकर उसमें प्रकृति बताइए ।

(*ix*) 'भारतवर्ष ग्राम प्रधान देश है ।' इस पर **दो** पंक्तियाँ संस्कृत में लिखिए ।

(*x*) 'सत्संगति' पर **दो** वाक्य संस्कृत में लिखिए ।

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. संस्कृत कथा साहित्य की प्रमुख कृतियों का परिचय दीजिए ।

अथवा

रामायणकालीन समाज एवं महाभारतकालीन समाज का तुलनात्मक विवेचन कीजिए ।

इकाई II

3. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही ॥

अथवा

दु:खेष्वनुद्विग्नमना: सुखेषु विगतस्पृह: ।
वीतरागभयक्रोध: स्थितधीर्मुनिरुच्यते ॥

इकाई III

4. संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

प्राचीन शास्त्रों के अनुसार जीवन को चार भागों में बाँटा गया है– ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास । प्रथम आश्रम ब्रह्मचर्याश्रम है, यही विद्यार्थी जीवन का काल है । विद्यार्थी जीवन की आधारशिला है । मनुष्य अपने

भावी जीवन के लिए इस काल में ही ज्ञान, आचार विचार, संयम, शील, सत्य तथा अन्य सभी गुणों का संग्रह करता है । यही समय है जब विद्यार्थी अपनी आध्यात्मिक, नैतिक, शारीरिक और मानसिक शक्तियों का विकास करता है ।

अथवा

महर्षि दयानन्द का जन्म 1824 ई. में गुजरात प्रान्त के टंकारानगर में हुआ था । इनके पिता श्री करसनजी तिवारी शिवभक्त ब्राह्मण थे । अपने चाचा और बहिन की मृत्यु को देखकर इनके हृदय में वैराग्य उत्पन्न हुआ । वे सत्यं शिवं को ढूँढ़ने के लिए घर से निकल पड़े । इन्होंने वेदोक्त परम्परा की प्रतिष्ठा के लिए आर्य समाज की स्थापना की ।

इकाई IV

5. किन्हीं **चार** पदों की सूत्र-निर्देशपूर्वक प्रकृति प्रत्यय बताइए :

दत्त्वा, कर्तुम्, पेयम्, भ्रमन्, धनवान्, सहायता, बाला, श्रीमती ।

इकाई V

6. किसी **एक** विषय पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :

(अ) संस्कृतभाषायाः महत्त्वम्

(ब) महाकविः भासः ।

खण्ड 'स'

7. कालिदास की कृतियों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।

8. 'सत्कार्यवाद' का विवेचन कीजिए ।

9. संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

कठोपनिषद् कृष्णु यजुर्वेद की कठशाखा का एक भाग है । इसमें कुल दो अध्याय और प्रत्येक अध्याय में तीन-तीन वल्लियाँ हैं । प्रथम अध्याय में नचिकेता एवं यम के उपाख्यान द्वारा आत्मा और ब्रह्म की व्याख्या की गई है । प्रारम्भ में उद्दालक ऋषि द्वारा गोदान का व्रत लिया गया । जब कुछ वृद्ध गायों को दान कर दिया, तो ऋषि-पुत्र नचिकेता पिता से पूछता है कि आप मुझको किसे देंगे । इस प्रकार नचिकेता के बार-बार पूछने पर पिता ने खीझकर कहा कि मैं तुझे यम को देता हूँ । पिता की आज्ञा प्राप्त कर नचिकेता यमराज के घर पहुँचा, किन्तु यमराज घर पर नहीं थे । नचिकेता ने बिना खाए-पीए यम की प्रतीक्षा की । जब यमराज लौटे तो उन्होंने नचिकेता से कहा—आप तीन दिन तक बिना खाए-पीए रहे, अतः आप मेरे से तीन वर मांग लें ।

10. निम्नलिखित सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

(क) तव्यत्तव्यानीयरः

(ख) ऋहलोर्ण्यत्

(ग) निष्ठा

(घ) रेवत्यादिभ्यश्ठक्

(ङ) अजाद्यतष्टाप् ।

11. 'परोपकारः' पर संस्कृत में निबंध लिखिए ।